किस्सा एक रात का

हाय दोस्तों !

एक बार फिर आपके लिए इस साइट पर आया हूं।
आपने इतना प्यार दिया है तभी तो एक और कहानी लिख पा रहा हूं।

तो दोस्तों मामला है कि एक सेक्स भरी रात का,
किस्सा है ये एक चुदाई की रात का।

उस रात मेरे मन में जाने क्या झमेला था,
क्योंकि मैं घर पर एकदम अकेला था।

अकेलेपन में मैं तन्हाई के गीत बड़बड़ा रहा था,
और बीच बीच में अपने लंड को भी हिला रहा था।

क्योंकि किसी कन्या का ख़्याल आते ही ये दिल बड़ा हो जाता है,
ये मासूम लंड भी इसकी तमन्ना समझते हुए खुद ही खड़ा हो जाता है।

अब है तो खड़ा होगा ही,
छोटा है तो बड़ा होगा ही।

अचानक मुझे लगा कि कोई बुदबुदा रहा है,
दिमाग गंदा हो तो लगता है कि कोई चुदवा रहा है।

मैंने दरवाजा खोला तो वहां एक गोरी थी,
उसके मम्में और गांड देखकर लग रहा था कि आज़ तक कोरी थी।

मैंने उसे अपने घर में अंदर बुला लिया,
ठंड बहुत थी सो मैंने कुन्डा लगा दिया।

मैंने माज़रा पूछा तो पता चला वो रास्ता भूल गई थी,
मेरी हिम्मत भी उसकी हालत देख के खुल गई थी।

मैंने उसे अपनी बाहों में भर लिया था,
क्योंकि उसे चोदने का इरादा पक्का कर लिया था।

वो मेरी बाहों में आके शरमा रही थी
और मेरी सांसों की गरमी से वो भी गरम हुई जा रही थी।

मैंने धीरे से अपना एक हाथ उसके मम्मों पर धर दिया

इन हाथों ने ही उसका सारा काम कर दिया।

मेरा दूसरा हाथ उसकी चूत पे था,
और ध्यान उसके सूट पे था।

आखिर उसकी जवानी को जो संवारना था,
इसलिए उसका सूट भी उतारना था।

मैंने उसकी कमीज़ उतार कर मम्में दबाने शुरु कर दिए,
सलवार को अलग किया और शॉट लगाने शुरु कर दिए।

वो आहें भर के मज़ा दे रही थी,
या यूं कहें कि लड़की होने की सज़ा ले रही थी।

मेरा लंड उसकी चूत के अंदर था,
ये भी मज़े का एक और मंज़र था।

वो कह रही थी कि चोदते रहो–चोदते रहो और चूत को फाड़ डालो,
आज़ अपने लंड से मेरी चूत में झंडे गाड़ डालो।

मैं भी पूरे दम से उसे चोदे जा रहा था,
और चूत चुदाई के इस खेल में दोनों को मज़ा आ रहा था।

मेरे लंड से पानी निकला तो वो सन्तुष्ट हो गई,
नंगी ही वो मुझसे लिपट के सो गई।

थोड़ी देर बाद उसने मेरे लंड को पकड़ लिया,
मुझे कुछ समझ आता इससे पहले ही अपने होठों से जकड़ लिया।

वो मेरे लंड को चूस रही थी इसलिए लंड बड़ा हो गया,
एक बार फिर से ये लंड चुदाई के लिए खड़ा हो गया।

अब उसे अपनी गांड मुझसे मरवानी थी,
उसकी चूत की तरह उसकी गांड भी सुहानी थी।

मैंने भी पूरी पावर से अपना लंड उसकी गांड में डाला,
और एक ही बार में उसकी गांड को फाड़ डाला।

उसकी चीख़ ने मुझे झंझोड़ दिया,
साथ ही मेरे लंड ने एक बार फिर पानी छोड़ दिया

अब मुझे पता चला मैं कहां था
जिसमें मैं था वो एक दूसरा ही जहां था

मैंने गांड और चूत दोनो ही मारी थी,
लेकिन यारों सच जो ये है कि मैंने सपने में मुठ मारी थी।

मेरा अंडरवियर एकदम गीला हो गया था
मुठ इतनी ज़ोर से मारी कि लंड भी नीला हो गया था।

यारों सपना ही सही लेकिन मज़ा तो किया,
अपने लंड को चूत के अंदर तो किया।

तो दोस्तों कोई भी या किसी की भी जनानी हो,
जिसे अपनी फुद्दी मुझसे मरवानी हो।

किसी से न डरे,
जब चाहे मुझे मेल करे

मेरा लंड हमेशा आपकी गांड के पीछे है,
गौर से देखो मेरा मेल आईडी नीचे है`

Nitin.of.gupta@gmail.com
तो चोदो चुदाओ और अपनी लाइफ को खुशहाल बनाओ